साहित्य संहिता
Available at http://sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 02 Issue 1
January 2015

आँखों को पानी की बूंदे न देना

राकेश कुमार वर्मा (आवारा बंजारा)

तकदीर-ऐ-वफ़ाकिस राह लेजायेगी,
जिस और येजायेगी शुर्ख दरख्त हीतो पायेगी,
मिट्टी की चादरपे फूलों कागुलिश्ता गढ़ा था,
जलजला है अश्कोका, कौन खुशीबच पायेगी,
राहते बेघर को, कहा सुकून कामौसम है,
जिधर को नजरतेरी, ये सांसेटहर जायेगी,
किस कदर बेपरवाहहू, जहाँ-ऐ-जिंदगी से
मेरे जिस्म से लिपटीये चादर कहजायेगी,
तू क्यों तन्हाई किगहराई में उतरनाचाहता है,
ये गहराई ही तोमेरा पता बनजायेगी,
आँखों को पानी की बूंदे नदेना,

बूंदो में मेरीयादे बह जायेगी1